Regarding need to reduce the number of liquor shops in the country and implement strict liquor policy-Laid

श्री वीरेन्द्र सिंह **(**चन्दौली**) :** मैं सरकार का ध्यान देश में राजस्व वृद्धि के नाम पर बड़ी संख्या में देशी-विदेशी शराब के ठेके खोले जाने की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ । विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में प्रत्येक वर्ष लगभग 20?30% की दर से शराब के ठेकों में वृद्धि हो रही है, जो अत्यंत चिंताजनक है । सरकारी दबाव के कारण अनेक जिलाधिकारी, निर्धारित मानकों की अवहेलना करते हुए गरीब एवं वंचित समुदाय?बिन्द, बियार, अनुसूचित जाति, जनजाति, अतिपिछड़ी जाति, वनवासी एवं आदिवासी बस्तियों?के बीच शराब के ठेके खोल रहे हैं, जो वर्तमान शराब नीति के विरुद्ध है । इस कारण गाँवों में अशांति, महिलाओं पर अत्याचार, घरेलू हिंसा, बलात्कार एवं लूट जैसी घटनाओं में वृद्धि हुई है । साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समग्र विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । अतः मेरी सरकार से मांग है कि प्रदेश/देश में शराब के ठेकों की संख्या में कमी लाई जाए । यह कठोर मानक लागू किया जाए कि कोई भी शराब का ठेका गाँव या आवासीय बस्ती से कम से कम 1 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थापित किया जाए, तथा वंचित समुदायों की बस्तियों में ऐसे ठेकों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए ।